



गणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
(गणेश)

श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः



रम्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उक्तं स न नडा इ ग्र न जयिधि हि ना ज डि पा इ का सु म न वा डा डाय माल ॥
 धर्म नु भा २ ॥ चिक न ड वा ज नि न के व स ॥ ॥ उ न मां ग्रा वें द्र द्रि क्रिं क्रिं म हा
 वे द न्वा को ज्ञा न्वा ॥ धर्म नु भा २ ॥ का स ख न घा व जं गु त्रि हा य के १ ॥ ध नि हा
 रा क डि म कु थ ॥ य क्रि वा स न य ग न डान सां ह य म इ न क्ता ॥ ॥ उ मा हा
 का ना रा को ना गी य न भा हा हा ॥ धर्म नु भा १ ॥ का हा न द य के मा ल द ड य जा या य
 ध या वि धी वा नु य १ म सा न या वा ड य न डाना व क्ता का ड ड नु थ रा ध नी क न
 ना थ नि वा ० स थ न ना गो रु य रू न के रु न सा हि त्र य मू न ना य स पु वि ना स ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ आ ति ना हा आ णी नि य हा हा ॥ ॥ धर्म नु भा १ ० ॥ ध त्रि ज य त्र यं आ स त स्य
 न के स नु त्रि या के द्वा क स थ ॥ ॥ ॐ गं ध म र्दं र्दं रु द्वा हा ॥
 धर्म नु भा १ ० ॥ का ड य त्र या आ ना हा त स दू प त्र ख ड य त्र या आ ना न त ड वि वा रू न त
 का डान क न सी न का स क नी थ न ड ॥ ॐ वि वा रू म व त सा कृ ती मू मा ल थ डान क ड
 व न ड्रा इ ना रु न न सी धर्म नु भा दाने य ॥ ॐ न मा णा वि द्वा ध त्रि जा मा वि ति रु न
 रु न वं ति य र्दं र्दं रु द्वा हा ॥ ॥ धर्म नु भा ३ ॥ सि य वा व म कृ तिं दा दा ड का
 मा ड ज य त्र यं न य व तु क स हा स्य न य कृ ता द श य म रु डान न डान सी थ डान रु

कवच ॥ कवच ॥ कवच ॥ नोन ॥

यमदूकअचमनुश्या ॥ ॥ ॐ उधमूधप्रसाहा ॥ x ॥ धर्मनुध्या १०० तम
नवसंवा दवा काया अउम दस्य वसवा दवान्ध अकयानसति नुदूरुयमदू
अकिजयनयं यनका मान नूयक अचश्या ॥ ० ॥ ॐ यत के माहायन के दू दू
दू दू साहा ॥ ॥ धर्मनुध्या अत्रिन दू मागुनि वाका अकस वूय क अचश्या ॥
॥ ॐ नमो गु के का न कलवि अ दू दू दू दू साहा ॥ x ॥ धर्मनुध्या १ अयुग्वन ०
अयनवा अ हा य स दू वि अ यम रुय क ता न न म नु श्या ॥ ॥ ॐ नमो गु
दि गु न जाहा ॐ दू दू दू दू दू साहा ॥ ॥ धर्मनुध्या दू का माय म न न य स

॥ कवि वचन मन्त्र ॥ ॥ कवच ॥

मादूथा सत अ अ सव्या ना अनक न सी थ अ त म ग्य न ॥ ॥ ॐ नमो गु अ न
का माय दू दू ॥ ॥ धर्मनुध्या नरु कायाय नरु क वा अ ना न वा क स या द म ग्य
ल क श्या ॥ ॥ ॐ नमो गु अ न का गी ना अ अ न दू दू ॥ धर्मनुध्या न व दू य
दू वा अ न स व लु क स त य माल न म नु श्या ॥ ॥ ॐ नमो गु अ न दू दू दू ॥
॥ ॥ धर्मनुध्या न ग न अ न सी व ल वा अ व न रू दू य म दू श्या ॥ ॥ ॐ न
मा माहा धाल दू दू दू ॥ धर्मनुध्या न मि सा वा हा न सी दू अ व रू दू य या य ना
म काय मा न व स्य श्या ॥ ॥ ॐ नमो गु अ न ना मा माहा व दू दू दू ॥ धर्म

स्वीवाः नमिस्व
दमस्व नमिस्व ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

धर्मं कुरु जय त्रयं सः शायक यस्तु सार्जं स्वथ का ज्ञायना मायय जायामद वन
तु जय त्रयं धृवदियल क्रीयु जायामय कृतिस्तय त्रया गुत्रि सिद्धि का न ॥
ॐ सिद्धिं तु पूजां ह्यु न मा कुरु गदित्या यजान यश्च नि सं धः कुरु पर ना गः
सुवात सुथा वा ज कुरु साने वा ॥ ॥ धर्मं कुरु जय त्रयं जय त्रयं न मा यश्च
ॐ कुरु कुरु कुरु कुरु ॥ ॥ धर्मं कुरु पूजा यामय द्वाया माथ सिद्धि द विष्णो
ज शला ॥ ॥ **ॐ श्री सिद्धिं तु पूजां ह्यु न मा कुरु गदित्या यजान यश्च नि सं धः कुरु पर ना गः**
ब्राह्मणं जय त्रयं वा ज कुरु साने वा ॥ ॥ धर्मं कुरु धर ॥
॥ ॐ ह्यु न मा कुरु गदित्या यजान यश्च नि सं धः कुरु पर ना गः ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ कुरु कुरु कुरु कुरु ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

लिमालि माहाका वि ॥ र ह्य कालि माहा वल ॐ यत्र माहा वलि ज द्रु द्रु द्रु
साहा ॥ ॥ धर्मं कुरु अ कुरु द न सां ड यत्र या ज कुरु साने वा ॥ ॥
ॐ सिल कन व नृ कि कुरु कुरु कि सि सा ता ॥ ॥ धर्मं कुरु अ यत्र या ज
कुरु कात्र न वि म तात्र न इ ना ॥ ॥ **ॐ वड न ता द्रु साने वा स ड्र ना**
ना स यश्च मा व यश्च म कुरु व धा यश्च रु न र यु ल र म ल र स व रु ना स ड्रु कुरु द्रु
साहा ॥ ॥ **ॐ वड म सा ना य न कुरु कुरु कुरु द्रु द्रु साहा ॥** ॥
धर्मं कुरु अ र क तात्र न इ ना ॥ ॥ **ॐ ति ना कुरु नि ना कुरु सा ज कुरु मा ड्रु**

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ कुरु कुरु कुरु कुरु ॥

२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

॥ प्रसन्ननीति ॥

२॥ मज्झिम ॥ १॥

धसयती नाम का धस दन उ न म त उ ॥

॥ उ हं हं का नी उ म क न का

हं हं हं सा ह ॥

॥ धर्म नु ध १०५ स म्परा नाम त र च नु म धी या श न ग न

स धु न क न थ रा माल का क थ म स त रा का चिक न न ह म या रा स तु म न
स इ न ॥ ॥ उ त्रि क न ध न्या ति हा हं हा ह ॥ धर्म नु ध १०५ उ म

न किल सा न चि ह्वा य का य का रु व न वा उ ह न धर्म म रा या क या क उ
स हा न गि ती य न र व का रा ध न क न ह या रा ॥ ॥ उ न मा य न

मा हा का धा य न न र वा य न ध र मा रु र द स र उ म क ह र

धर्म नु ध १० सा न क च के व स इ न ॥

॥

२॥ मज्झिम ॥ १॥

क य ध ध मि सी का धा का धा या स नि रु ना धर्म नु धि की य धा ॥

उ त्रि ची र्वा हं हं हं सा ह ॥

॥ धर्म नु ध १०५ उ म कि सी का की क वा उ

न के म स न इ इ म त्रि य के रु ना ॥

॥ उ क लो मि त मा हा न स व नी

स्व वि र्वा ह न मा हा न न र्वा हं हं हं रु क लो ग नी सा ह ॥ धर्म नु ध १०५

न ल स्वा वा सी रु य ल वा उ या का स न य ध न म का य के ॥ ॥ उ क र्वा य

मा ल र र्वा मी ना ल र र्वा हं हं सा ह ॥ धर्म नु ध १०५ भ व न उ य सा ल या क

म ल ल के का थ रा कि मा या धा थ सा क या ल र रु वा उ न न के ॥

॥

२॥ मज्झिम ॥ १॥

॥ सा वस ॥ १ वस ॥ १ वस ॥ १ वस ॥

जाया लुवा ॥ धर्मनु आ १० उय न यं वर वर १ यिकु ५ धम कू कू त
जा का स स कू कू त पा न स कू कू यि ग न या त कू कू त उय न यं न के व स्य मि सा ॥
१० न स कू न त सा ति न सा हा ॥ धर्मनु आ १० उय न यं आ स न यि व न
सु धू कू त त कू जा कू त १ म सि न न स म ल ग न मा दा ण न के व स इ यी ॥
१० ल ग स म ति रु नू रु ले ग धि का म सि धू ना उ स्य जू ति लि या नि ही ना ण
शी ना व्वा गुा वि च था व ॥ धर्मनु आ १२ जू त उय न यं क म के मि
सा व स्य इ या ण ॥ १० अ दि वा रु गुा ना उ वि ल वि स ति वा वा न मा न

१ धमा ता न न ॥ १ मि ध न व स ॥

म का लि का वा ॥ धर्मनु आ ११ य न या उ यि सा न ख न स व्वा ति न
स्य मि त हि न व्वा ति न दू या वा का या उ य म ति य ग न उ न सी र य मू मा न ॥
१० बाल का मा लि न क हि क्का त्य वू के थ क्क था गु नू वा व सि धि ग न म्वा ष ल
गु नू जा हा ॥ धर्मनु आ ३ ध ना अ इ न सा ल य म दू य न य मा न
१० जू द स गु नू न म य के ति त्रि या रु न म मि मा उ उ ति या क्क दू उ ना हा
थ सि धू ल ति ले वा धा उ मा यू वि नू मा क्क ॥ धर्मनु आ १० उय
न या अ ति त के मि सा व स्य मा य ॥ १० जू टि हा मा र यू खू ति

॥ ग न न श सी र य म्मा न ॥

ॐ का वरदा ॥ २ सा सा वरदा ॥

सुद्धया वृषु क्लाङ्गा जूतिशाम मंखुखुखुद्धि तु वृषु ॥ ॥ धर्मनुभा ॥
ॐ का वरदा ॥ ॐ जय नरय या का मय च यि को मा ज त या ज मि सा क य क
वे स इ ॐ ज ॥ ॥ ॐ नम वसि क न पु र्व का मि रु स न व ल पु र्व
रु म त या ॥ ॥ धर्मनुभा ॥ २१ पु र्वा ज सि क कू का स्ना न द त व न
थ ज वा ज ज क स वि त या सि ति र्ज नाम ना ही व न या का न क व र्मा इ
ॐ ज ॥ ॥ ॐ गु नू या दू का न मा वृ क् ॐ म हा व र व ल का लि का
लि का द्र वि ॐ हु न र य वे र ख खः स व स त्र पु र य स र्व रु स व ल स मा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गलि स्वा हा ॥ ॥ धर्मनुभा ॥ २१ जय नरय कू इ त सा क म क ज
क स त्र या क पा क स था ॐ ज ॥ ॥ ॐ ज धि ग त कि य आ ग ना स
य रु रु रु रु रु स्वा हा ॥ ॥ धर्मनुभा ॥ २१ य न या ज ज क त च ॐ का
पु न का ला त्र स्ना न थू ति स न वि स का र्वा य क जू धि न वा ज या न को इ आ
ॐ रु रु रु रु रु मा हा वृ रु व ड रु रु वि रु वा वा वृ रु वा वा ॐ रु रु रु रु रु
वा य न म च न मा हा नू रु क वा वा ध ला ध ति सा या नि मा स न या व
पू व रु क व न दे स नि यो ज म रु ति डा म रु ति क न ड सा व क न ड वा ड

ॐ मङ्गलम् ॥ इति याजुः ॥ सानवसः ॥ आसिनिमा ॥

[illegible]

॥ इति ॥

[illegible]

सुभाषित २ मित्र के ॥ ३२

पु.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१५३३ यात इष्टमात्रम् ॥

संज्ञा ॥ नक्षत्राणां

॥ अथ ॥

॥ मित्रिक ॥

॥ श्री सिद्धिने ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

जननसमिपुनयुयमिवावृत्तिः ॥ ॐ हंसवितथगतमाहा
शङ्खविह्वल ॥ ॥ चित्तवाहनमाजय ॥ ॐ माहाभायासुतुति
नमः ॥ सनसूतिपाः ॥ ॐ आश्लोकहंरुदृष्टाहो ॥ यो के
धनमाजय ॥ ॥ ॐ डिमाहानाहंरुदृष्टाहो ॥ माहीकाजमाजय
ॐ ह्यमहंरुदृष्टाहो ॥ ह्यमाजय ॥ ॐ शिवहंरुदृष्टाहो ॥ ॐ वडवा
मजोनसंवनसीहो ॥ ॥ संवनमाजय ॥ ॥ ॐ वडवा
हंरुदृष्टाहो ॥ ॥ वडवाहिमाजय ॥ ॥ ॐ वडवा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

साहा ॥ ॥ नूदुयनिमाजय ॥ ॥ ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥
साहा ॥ ॥ संवनमाजय ॥ ॥ ॐ शिवहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ कमा
हिनसनमाजय ॥ ॥ ॐ काजिकामाजिहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ हवडमा
विमाजय ॥ ॥ ॐ कमायावडायहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ विद्याध्वजमाजय
जय ॥ ॥ ॐ अकिनियहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ वानाहिमाजय ॥ ॥
ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥
ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥ ॥ ॐ वडवाहंरुदृष्टाहो ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मिमं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2757 1

स्तु॥ घन वृत्त समजा उ. तजा दन तु ग्रा. द्य खान कि पि जी व न का तु नि म थू
 तजा वं काल गंध कि गु ग सि दि गु नू जू स्तु ॥ ॥ धर्म नु धा नू य
 का य का दू क स वि. आ यू थू ति कू थ नू कू य न मी सा उ य क व स इ ला ॥
 रं उ नू न कू क न न ल रु दू स्तु हा ॥ ५४४ ॥ मि सा वा न. जू त न क य क ति
 उ. सू य त ग म य कू कू य न या उ मि सा या ना का य मा न. म वि उ य न य न कू कू ति उ
 धर्म नु धा न या य व स रं इ मा उ ॥ ॥ उं सि दि दू न सा रा धि वा न का
 रं उं डीं दूं दूं दू नि जू वा न डिं दूं दू टू ॥ ५२२ ॥ न खे इ या डा
 न न क. सा यो त ति नो य या ना म ॥

॥ मि सा य न क ॥
 ॥ उं सि दि दू न सा रा धि वा न का ॥
 ॥ धर्म नु धा नू य ॥

पूर्व सि उ अ य ३०००००० ॥ ॥ रं ति कू नू या मं नू धा जू दी वृ ह य न
 जू न लू ॥

मा नि. व ड डा डि जू स्तु डिं डिं. दूं दू टू स्तु हा ॥ ॥ धर्म नु धा नू सिं व न
 उ य न या उ थ म य मा कू मि सा या ना मे का स रं उ य न या उ ति त के व स इ मि
 रं उं जू स गि नी कू दा दू नू का मा लि. मा हा द उ मा ही का न. मा हा ल कू
 उ स्तु स रं. दू ग क मा लि. व नी दूं दू टू गु नू जू स्तु ॥ ॥ धर्म नु धा नू
 स म ति ज य न या उ. सि न स र या उ य न का या य ध नि सि. वा ज थ य. वा य
 न. उ यि सू य ति या यो ट स य. घा न स. य न र य न य न नू न क. व स र

॥ मि जे न व से मि सा ॥

१ धर्ममकाजक ॥

हानि सव्वे मिल विचि उरि न मा हा धाल जा हा रुं रुं क जगि लिखा हा
धर्म मुखा ३ नुम का सि बू गु जि ३ ह म क का या ३ उ य न या ३ स सा क या
संता नारु को ध ता न सा का य म दू इ या ॥ ॥ **ॐ सिद्धि गु नू ज्ञा सा का**
मा धि पि खा हा ॥ ॥ धर्म मुखा ३ य न या ३ आ य या दू स या न पि ३
न मा यि ति वा यि त रु या यि ति नू नो म न मा हि त दू पि द्या च या ति न ३
य ३ य न या ३ न क मि सा गु थ दू य व स ॥ ॥ **ॐ न मा धा गु**

॥ मि सा गु थ दू य व स ॥

१ स क न स मा न ॥

नू ज्ञा सा नि स वि च क मा हा च क व नी व न आ रु कि व द कू द कि डाल
हा हा रुं रुं खा हा ॥ ॥ धर्म मुखा ११ का नं सा दू य न यं स स या
स स स य स स ना स इ या ॥ ॥ **ॐ न मा धा गु नू ज्ञा हा नि क कू या**
ना न क कू या ना ल खा हा ॥ ॥ धर्म मुखा २१ वा इ न सा ना हा इ न सा
बू त इ न सी उ य न यं गु तु ३ आ थ स क म क इ या स कू ना स इ या ॥
ॐ न मा धा गु नू ज्ञा सा हा दू या का न रुं रुं रुं रुं रुं ॥ ध र्म मुखा ३

॥ स क न स मा न ॥

१॥ मा न न द क्षा म् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

二五八

सुप्रभात नमः साक सभात क॥

यत्र पावनक, उग्रस्यु माके द्याक सथापि उग्रया ॥ ॥ ॐ नमो
 शाका नरु वा नु ॐ ॐ प्रमाहास्य प्रमाही कात्रय स्वाहा ॥ ॥ ॐ
 मनुष्याका वचन दनक दिपाडा, धसतया उता नक, काय दू धिनि
 वापि उवा ॥ ॥ ॐ वा नरु प्रवाय का निरु रु रु रु ॥ ॥ धर्म
 नुका १००० म सुसा मानिका मा उग्र का अग्रं यु का अग्रं अग्रं अग्रं
 धृतिः सभा स्तानया यजिष्ठ वाकृति स्या जचिदा उग्र सनुपि मा इ ससा
 कया कतमहा माह रदनि उवा ॥ ॥ ॐ शु प्रमाहा प्रजय नदि

॥ एतद्गुरुमात्रतद्वेष्टामद्विवायके ॥
मके ॥

२॥सि॥स॥श॥व॥स॥॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नि य जा मा य मा त्र कृ स सा ध न या दा त य धा य दू यि नि इ यि ड
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्म नु धा १०० ध न धा य दू यि नि पि
का य सा ध न स न के हा का ति क्का य ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥**
गानि अगानि नृ य ना जि ल सा हा ॥ ॥ धर्म नु धा २१ मि सा या स का
या ज म सा न स थु दा ज त य मि सा यि क्का य दू यि नि इ यि ड ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्म नु धा १००१
सा क दू दू दू दू स दू थ न कू र्व कू न न स नृ थ या ज र ड य नृ स स दू य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ना म ज सा क दू दू दू थ ज य नृ नृ ग न स दू थ न हा कू य ता र्ति सि त क हा
कू दू दू न रू य क न कि त्रि धू उ व स या न स ता य अ ग वि य को न दू सि स्या
य मा त्र सा ध न या द त य मा त्र इ जा म रू द या य इ डू डू आ दि त डू न य
नि य जा मा य मा त्र ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** ॥ अगानि नृ ध न स
य ना स नृ दू दू दू दू ॥ ॥ धर्म नु धा १०० य ल या ज म रू दू दू थ य ज
का य सा ध न स न का डी कू नृ नृ ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥**
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्म नु धा १००१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ सो न व स मि सा ॥ २ मि सा य न
इ स ग इ उ क ॥ न इ स ग मि सा ॥

ॐ श्री ॥ ॥ धर्मनुष्ठा ३१ खान रु या डी कू न के व ला रु य ॥ ॥ ॐ न मा ॥
गु त्र श ग्ग ॥ ॐ के काल मा हा रु द्र सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा २१ ख व वा वा कू न उ ॥
कू न स ३ स रु या ना म अ ए म्म त र्द न कू न ॥ वि ग न स थू ना कू न ॥ म सा न स
धु न कू न ॥ मि स थू न डी कू ल स म इ र ॥ ॥ ॐ नू न के मा हा
व ॐ रु द्र का पि सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा २१ थ स व वा पि का य स न के
पि का य इ नो ॥ ॥ ॐ न मा ग्ग ॥ गु त्र गु त्र कू मा पि न क रु क म न सा
॥ सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा १० का न ध उ य न वा अ नि म पि नू न या द
॥ ॐ श्री ॐ श्री ॐ श्री ॐ म ल म ल लं सा हा ॥ २५ ॥ ॐ सि तु न

दि या अ का न ध स त र्द नान के मि सा या न उ स ग म इ डी या इ य डी
ॐ म रु डी य मा हा न रु सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा ११ न ख उ य न य
नान के न उ अ वा पि का य इ नो ॥ ॥ ॐ ध ध म म म न सा हा ॥
धर्मनुष्ठा १०६ म क दा हि स ग ॥ दि र्द त य स रु पि या ना म का य मा न
ना म का या स न क त वा त न क ॐ डी इ नो ॥ ॥ ॐ रु द्र नू कू पि
सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा १०२ ध दा कू य पि का य इ नो ॥ ॥
ॐ वं द नि मा हा नं द सा हा ॥ ॥ धर्मनुष्ठा ६२१ डा कि कू न १ डा

१ सो न व स मि सा ॥ २ मि सा य न
इ स ग इ उ क ॥ न इ स ग मि सा ॥
१ न क त वा त न क ॥ २ न क त वा त न क ॥
१ न क त वा त न क ॥ २ न क त वा त न क ॥

गवधुतु न स या ती रुया इ इ ना नू स तु या ती जमस्वा नी न म स न
क व नी न ग का ना उ क र य उ क र न ॥ सी रे य स न या हा रु न
वै स स्वा व न इ वा ना वा वे यी १ नी ना थ नी र सा क र न न न न उ म ग ध क
वा धा स र न ना ना १ थ न उ क र न ॥ ॥ सि र न य नी स य म न न र य
ज क क ना या रु नी ही र वी श सा रु या य य क्ता न न दै नी उ क र इ इ वि न
क ला न ग न हा हा दू री मा इ इ व धा न या हा सि ना क न थ न स न लो ग
या हा हा सि र न उ उ म स न उ उ नी या हा उ या द स र य दि य थ न उ

हा र ना ॥ ॥ नी ल य नी क वा १ उ म स र म स १० न दै नी स क नि उ क र इ
य क्ता न व द रु नी थ न स र ग व क स र य दि न १२ थ न उ क र ना ॥
॥ ॥ सी र न व रू न य न नी स र य दि न ३० न दै नी ह रु सि सा रु या य
उ क र इ इ स र ग थ न न रु ना ॥ ॥ ग व दै न र न ना म सा नी र न उ ना
म सा म र न स म ॥ ॥ वा द र व न वि द अ न व उ क उ उ य उ
लो ना की न य सि ध न रु ना ॥ ॥ रु रु हा क रु न व नी रु हा क रु
क्र न सी रु थ ना ना उ व ना स र ग ध क थ न दी क उ रु ग व न वि र

सीरुन ना ना १ ध आशुर्मस १ ध न डा हा इ ना ॥ ॥ ध न वा स लै ख
इ काय के या न त्स नै ख न य द थ स म न कू वा न न य न न ध न वा का
य स न य म न म सी मा न नै ख इ का स न य म न सि न को डा उ थ यि
हा डा ॥ ॥ गु ॥ मा की त्री ॥ नाल स ॥ इ न दि न वि के न स व
ना डा का य क ध त्री इ इ ह थ यो नि डा ॥ ॥ न र्वा ना स रु न द
सै नी या डा न य ध न १ ध नै आ की य ॥ ग्वा ॥ ल न य ॥ ॥ स न मा
खो ह ना क सी स ल ग गु त्रि वि डा डा ध न व य स्या द स र्वा दि द इ ना ॥ ॥

नागर्ग वा का या डा बें गु लि पा य ध न क स्व ला य ता ग हा य क स्व लि का द य क
वै ग ता १ का ला डा शु ल डि ग डा रु ल गि सि या डा ग य अ थ नि थ स्व लि का
का या डा वै ग स वा ल ध स्व लि का स पृ ष्ठा य ध लै यि डा अ थ य यै य न लै डा
स्य डा यि डा स्व था ल प था ल वा ला डा अ थ अ प का य ता १ वै ग स त्रि वि ३ लै द यि
यि डा ॥ ॥ ग ज व ल नै न रु वा द य क मा ढ स्या या य अ थ नि मा १ पो ना
ल्य हा मा स न या डा रु ता कि मि या प न या डा स्व ल त थ य रु ल डि १ हा द सि
न खाल इ इ स्व ल त थ डि नि रु ल स अ थ नि नै क पि न या डा थ पा ना

ध्यान कु १ दत्तासिगवाल इड कु १२ तया अं ह वा न या या ज संधिय ला ज
 निवृत्त नयं वा न यिल १५ न न घा द म वि वा स दं वा या ज यिता द न य स
 यया ह त या ज म त मि ड य य ह ल ३ अ ५ नि क्वा हा ज ख य क्वा हा ज व व य
 हा ज थानि ज व ध म श ल सा ध त रं य नं हा द मि त य के धे न क न नि १ वं ग
 कु १ काल क्वा य हा हा श य ॥ ॥ ई सि द्दी गु त श ग्मा ॥ नि नि वी वी द ट ख हा ॥ धा २१
 धन म का य के ॥ ॥ उं क य किं द्र वा य ॥ धा १ १ धा य धि मं द्र न स र न ग यि का
 न न ग्ध य क्वा स गि हा ज श्व य धा न या न हा ज श्व य धा य गु न ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

ᠮᠤᠯᠠᠭ ᠨᠢᠶ᠋ᠣᠨ

The manuscript page, folio 10v, contains a large red triangle. Inside the triangle, the text is arranged in a central column. To the left of the triangle, there is a vertical column of text. The script is a mix of uppercase and lowercase letters, some with diacritics.

川東之五區

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, covering the lower half of the page.



२३ नीसाया नको ४॥

यैवर्गं नल्लययुस
वीनगवैधकुल्यकेय



इस नाम धन के प्रसंगी ॥ १० ॥ न के वृत्त ॥ इस
इस नाम धन के प्रसंगी ॥ १० ॥ न के वृत्त ॥ इस
इस नाम धन के प्रसंगी ॥ १० ॥ न के वृत्त ॥ इस



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायां
 अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

